शीर्ष प्राथमिकता/समयबद्ध
संख्या– 5607 /सत्तर–3–2020–08(35)/2020

प्रेषक,

मोनिका एस.गर्ग,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **निदेशक,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

2. कुलसचिव,
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3

लखनऊः दिनांक 03 दिसम्बर, 2020

विषयः– **राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के परिपेक्ष्य में प्रत्येक संस्थान द्वारा विद्यार्थियों की क्षमताओं की अभिवृद्वि के लिये आवश्यक नए पाठ्यक्रम को निर्धारित/क्रियान्वयन किये जाने के सम्बन्ध में सुझाव।**

महोदय,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 मे उल्लिखित समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की क्षमताओं की अभिवृद्वि के लिये नए पाठ्यक्रमों को विकसित करना तथा विद्यार्थियों को नवीन/आधुनिक तकनीकी ज्ञान, सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, पर्यावरण शिक्षा, और मूल्य–आधारित शिक्षा को भी सम्मिलित करना समीचीन होगा। उच्च शिक्षा को रोजगारपरक बनाने एवं भारतीय संस्कृति/दर्शन को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता के दृष्टिगत समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में नवीन विषयों तथा आधुनिक तकनीकी ज्ञान पर आधारित विषयों को सम्मिलित किया जा सकता है।

2– इस परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा पाठ्यकम में निम्न विषयों को सम्मिलित किया जा सकता है :–

- **अनिवार्य पाठ्यक्रम :–**
  (1) मूल्य परक शिक्षा (नैतिक शिक्षा)
  (2) स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता
  (3) कम्प्यूटर/डिजिटल जागरूकता
  (4) कम्यूनिकेशन स्किल्स (संचार कौशल) एवं व्यक्तित्व विकास

- **ऐच्छिक माइनर पाठ्यक्रम** जैसे आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस, मीडिया अध्ययन, बिग डाटा एनालिसिसि, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, लिबरल क्रिएटिव आर्ट, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी, न्यूरो साइंस, 3–डी प्रिंटिंग, मशीन लर्निंग, सांख्यिकी, पर्यावरण शिक्षा, व्यवहारिक विज्ञान, पुरातत्व कलाकृति संरक्षण, भारतीय विद्या/लोक विद्या, अनुवाद और विवेचना, संग्रहालय प्रशासन, ग्राफिक डिजाइन, वेब डिजाइन, भाषा सम्बन्धी शिक्षा, सामुदायिक सेवा परियोजना, फार्मेसी, कैटरिंग, मीडिया स्टडीज आदि।

समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों को वर्तमान समय के अनुसार विद्यार्थियों को अपग्रेड करने हेतु प्रयास करने होंगे। 'डिजिटल इण्डिया' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा। इसके अतिरिक्त, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलुओं पर मिलकर एक साथ कार्य करने की आवश्यकता है। रोबोटिक्स, वर्चुअल रियल्टी, क्लाउड टेक्नॉलॉजी, बिग डेटा, मशीन लर्निंग आदि अन्य विषय वर्तमान समय की मांग हैं।

3– इसके अतिरिक्त, समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों को कौशल विकास, सामुदायिक जुड़ाव और सेवा, पर्यावरण शिक्षा, और मूल्य–आधारित शिक्षा एवं आधुनिक कोर्सेस के व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु प्रत्येक सेमेस्टर में प्रायोगिक कार्य निर्धारित किये जाने चाहिए तथा सप्ताह में एक दिन विधार्थियों को इस प्रकार के कार्यों में यथासंभव संलग्न करना चाहिए।

4– राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालयों में विशेष सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स (CoEs) की स्थापना की जानी चाहिए, जिसके माध्यम से नए विषयों एवं व्यावसायिक विषयों के पाठ्यक्रम का विकास प्रयोगात्मक शिक्षण/अनुभव के आधार पर किया जा सके। हर संस्थान को प्रयास करना चाहिए कि वह किसी न किसी क्षेत्र में Peak of Excellence बन सके।

5– उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय स्तर से विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में उपरोक्तानुसार क्रियान्वयन करने हेतु कार्ययोजना तैयार कर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यवाही की आख्या शासन को मासिक रूप से प्रेषित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(मोनिका एस.गर्ग)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या–5607 (1)/सत्तर–3–2020, तद्दिनांक:

1– समस्त कुलपति राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश को इस अनुरोध के साथ कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन के संबंध में सभी संबंधित को मार्गदर्शन देते हुये उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करवाने का कष्ट करें।

2– समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से

(अब्दुल समद)
विशेष सचिव।

Mohd G.G.